दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि उसका चरित्र और संस्कार हैं। धन खो जाए तो दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन चरित्र खो जाए तो विश्वास लौटाना कठिन हो जाता है। इसलिए जीवन में ऐसी सफलता अर्जित करें, जिस पर आपका विवेक भी गर्व करे और समाज भी सम्मान के साथ आपका नाम ले। '

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-214 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 28 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जल ही जीवन का आधारः हमारी संस्कृति, सभ्यता और अस्तित्व का अमृत

पंचतत्वों से निर्मित इस मानव शरीर में यदि किसी तत्व का सबसे अधिक महत्व है, तो वह है जल। जल केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि के अस्तित्व का आधार है। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले ही जल को देवत्व का दर्जा देते हुए कहा था– 'आपो हि ष्ठा मयोभुवः ', अर्थात जल ही सुख, समृद्धि और जीवन का मूल स्रोत है। आधुनिक विज्ञान भी आज उसी सत्य की पुष्टि करता है कि जल के बिना न मानव जीवन संभव है, न कृषि, न पशुधन और न ही सभ्यता का विकास। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। भारतीय संस्कृति में जल का संबंध केवल उपयोगिता से नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और संस्कारों से भी रहा है। जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रत्येक धार्मिक संस्कार में जल की उपस्थिति अनिवार्य मानी गई है। गंगाजल, कुएँ का जल, बावड़ी का जल, तालाब और सरोवर केवल जलाशय नहीं थे, बल्कि समाज की जीवनरेखा थे। यही कारण है कि प्राचीन भारत में गाँवों की बसावट जल स्रोतों के आसपास होती थी। जहाँ पानी होता था, वहीं जीवन बसता था और जहाँ जल नहीं होता था, वहाँ स्थायी बसावट की कल्पना भी नहीं की जाती थी।

राजस्थान जैसे मरुस्थलीय प्रदेश में जल का महत्व और भी अधिक रहा है। यहाँ के लोगों ने हर बूंद को अमृत समझकर संजोया। कुएँ, बावड़ियाँ, जोहड़, तालाब और सरोवर केवल निर्माण कार्य नहीं थे, बल्कि लोकज्ञान और दूरदर्शिता के जीवंत उदाहरण थे। आज भी राजस्थान के अनेक गाँवों के नाम–अलसीसर, मलसीसर, गंगियासर, सीरियासर, लूणकरणसर आदि–अपने नाम के अंत में जुड़े 'सर' शब्द के माध्यम से बताते हैं कि ये गाँव कभी किसी सरोवर या जलाशय के किनारे बसे होंगे। यह नामकरण हमारे पूर्वजों की जल संस्कृति का जीवंत इतिहास है। एक समय था जब गाँव की महिलाएँ प्रातःकाल सिर पर मटके रखकर कुएँ या बावड़ी से पानी भरने जाती थीं। यह केवल पानी लाने का कार्य नहीं था, बल्कि सामाजिक संवाद, सहयोग, श्रम, अनुशासन और स्वास्थ्य का अद्भुत संगम था। कुएँ से बड़ी बाल्टी द्वारा पानी निकालना, रस्सी खींचना, सिर पर घड़ा संतुलित कर घर तक लाना–यह सब एक प्रकार का सहज योग था, जिसने शरीर को स्वस्थ और मन को संतुलित रखा। आज मोटर, सबमर्सिबल और पाइपलाइन ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। सुविधा बढ़ी है, लेकिन जल के प्रति संवेदनशीलता कम हो गई है। पहले लोग एक-एक बाल्टी पानी का महत्व समझते थे, आज नलों से बहता पानी कई बार बिना उपयोग के व्यर्थ बह जाता है। सुविधा ने जिम्मेदारी को कम कर दिया है। जल केवल पीने के लिए नहीं, बल्कि कृषि, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार भी रहा है। राजस्थान में वर्षा जल संचयन की परंपरा विश्व के लिए प्रेरणा रही है। प्रत्येक गाँव में तालाब, जोहड़ और नाड़ी का निर्माण सामुदायिक भागीदारी से होता था। पूरा समाज मिलकर उनकी सफाई और संरक्षण करता था। यह केवल जल संरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक था। आज स्थिति चिंताजनक है। भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है। तालाबों पर अतिक्रमण हो रहे हैं, बावड़ियाँ कचरे से भर गई हैं और वर्षा जल का अधिकांश भाग बिना संग्रह के बह जाता है। दूसरी ओर बोतलबंद पानी का व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। जिस पानी को कभी सेवा और पुण्य का माध्यम माना जाता था, वह आज व्यापार की वस्तु बन चुका है। विडंबना यह है कि आधुनिक विकास की दौड़ में हमने जल के साथ अपना सांस्कृतिक संबंध भी कमजोर कर दिया है। बच्चों को यह तक पता नहीं कि कुएँ से पानी कैसे निकाला जाता है या बावड़ी क्या होती है। यदि यही स्थिति रही, तो आने वाली पीढ़ियाँ जल स्रोतों को केवल इतिहास की पुस्तकों में पढ़ेंगी। आज आवश्यकता केवल नई जल योजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। वर्षा जल संचयन को जनआंदोलन बनाना होगा। प्रत्येक गाँव के तालाब, जोहड़ और बावड़ियों का पुनर्जीवन करना होगा। स्कूलों में जल संरक्षण की शिक्षा व्यवहारिक रूप में दी जानी चाहिए और समाज को यह समझाना होगा कि जल बचाना केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। भीम प्रज्ञा का मानना है कि यदि हमने अपनी परंपरागत जल संस्कृति को पुनर्जीवित नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा संकट जल का होगा। आधुनिक तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन उसके साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत और जल संरक्षण की लोक परंपराएँ भी जीवित रहनी चाहिए।

अंततः, जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि जीवन का आधार, संस्कृति का संस्कार और सभ्यता की आत्मा है। जिस दिन समाज ने जल का सम्मान करना छोड़ दिया, उसी दिन विकास का आधार भी कमजोर हो जाएगा। इसलिए समय की पुकार है–जल बचाइए, जल स्रोतों को बचाइए और अपनी सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखिए। यही सच्ची पर्यावरण सेवा है, यही मानवता की सबसे बड़ी साधना है।

राजस्थान में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल

जयपुर में सड़क पर कचरे से भरे ट्रैक्टर खाली कर जताया विरोध, सफाई व्यवस्था बिगड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर शनिवार को साफ नजर आया। जयपुर में प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कचरे से भरे ट्रैक्टर सड़क पर खाली कर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। हड़ताल के चलते कई शहरों में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई और जगह-जगह कचरे के ढेर लगने लगे। कर्मचारी अपनी लंबित मांगों और भर्ती प्रक्रिया को लेकर आंदोलन पर डटे हुए हैं, जबकि प्रशासन हालात सामान्य बनाने के प्रयास में जुटा है। प्रदेशभर के सफाई कर्मचारियों ने शनिवार से सामूहिक अवकाश पर जाकर सफाई कार्य का बहिष्कार शुरू कर दिया। हड़ताल के पहले ही दिन राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में सफाई व्यवस्था प्रभावित नजर आई। इस दौरान जयपुर के बड़ी चौपड़ पर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने कचरा लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर को रोक लिया उसे सड़क पर ही खाली करवा दिया। बड़ी चौपड़ के साथ ही छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, राजा पार्क और परकोटे के प्रमुख बाजार में सड़क पर कचरा फैलाकर कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ झाड़ू नीचे रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

सफाई कर्मचारियों के भविष्य और अधिकारों की लड़ाई है यह आंदोलन

संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि पिछले कई दिनों से सफाई कर्मचारी शांतिपूर्ण धरना, प्रदर्शन और भूख हड़ताल के माध्यम से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। इसी कारण आंदोलन को अगले चरण में ले जाने का फैसला लिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल भर्ती का मुद्दा नहीं, बल्कि सफाई कर्मचारियों के भविष्य और अधिकारों की लड़ाई है। अगर इस बार मांगों पर निर्णय नहीं हुआ, तो आने वाले समय में सफाई कर्मचारियों के रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। उन्होंने प्रदेशभर के सभी सफाई कर्मचारियों से आंदोलन में एकजुट रहने की अपील की।

हड़ताल के पहले दिन ही जयपुर सहित कई शहरों में सफाई व्यवस्था प्रभावित

हड़ताल के पहले दिन ही जयपुर सहित कई शहरों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी। कई स्थानों पर कचरा समय पर नहीं उठ सका, जिससे सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नजर आई। ऐसे में अगर सरकार और सफाई कर्मचारी संगठनों के बीच जल्द सहमति नहीं बनती है। तो आने वाले दिनों में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है।

सफाई कर्मचारी संगठनों की ये है मांग

दरअसल, सफाई कर्मचारी संगठनों की मांग है कि भर्ती प्रक्रिया में परंपरागत रूप से सफाई कार्य से जुड़े परिवारों को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा पूर्व भर्ती से जुड़े न्यायालयीन मामलों में पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने, वर्तमान में सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों को प्राथमिकता देने और भर्ती प्रक्रिया को यूनियन के साथ हुए समझौते के अनुसार पूरा करने की मांग भी की जा रही है। संगठनों ने ठेका प्रथा समाप्त कर आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म करने, निकाय कोष से नियमित भुगतान सुनिश्चित करने, भर्ती प्रक्रिया में तीन गुना लॉटरी प्रणाली लागू करने और चयनित कर्मचारियों को दो वर्ष की सेवा के बाद स्थायी करने की मांग भी सरकार के सामने रखी है।

कलेक्ट्रेट सर्किल पर लावारिश मिली नाबालिग बालिका

मौसी पर मारपीट का आरोप, कालिका पेट्रोलिंग टीम ने रेस्क्यू कर जांच शुरू की

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू। चूरू में कलेक्ट्रेट सर्किल के पास एक 10 वर्षीय बालिका लावारिस अवस्था में मिली। चाइल्ड हेल्प लाइन, बाल अधिकारिता विभाग और कालिका पेट्रोलिंग टीम ने संयुक्त रूप से उसका रेस्क्यू किया। प्रारंभिक काउंसलिंग में बालिका ने बताया कि वह दो वर्ष की उम्र से हेतमसर गांव में अपने मौसा-मौसी के पास रह रही थी। उसने आरोप लगाया कि उसकी मौसी उसके साथ मारपीट करती है। बालिका ने यह भी बताया कि उसकी मां की तबीयत लंबे समय से खराब रहती है। मां ने उसे अपने पास बुलाया था, लेकिन मौसा-मौसी ने उसे भेजने से इनकार कर दिया था। बालिका अब मौसा-मौसी के साथ नहीं रहना चाहती। रेस्क्यू के बाद बालिका को विभागीय संरक्षण में लिया गया है और उसकी काउंसलिंग की जाएगी। इसके साथ ही मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। विभाग बालिका के पारिवारिक हालात, अभिभावकों की स्थिति और उसके लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच कर रहा है। चाइल्ड हेल्प लाइन बाल अधिकारिता विभाग के परियोजना अधिकारी पन्नेसिंह ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। यदि जांच में मौसा-मौसी द्वारा बालिका के साथ प्रताड़ना, मारपीट और बाल संरक्षण से जुड़े नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो उनके विरुद्ध प्रचलित कानूनों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बालिका की सुरक्षा और उसके सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देने की बात कही है।

वृंदावन में नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण

भामाशाह दैंगला परिवार ने समाज को समर्पित की आधुनिक सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शिक्षा के प्रसार और ग्रामीण क्षेत्र के विकास में भामाशाहों के योगदान की अनूठी मिसाल पेश करते हुए ग्राम वृंदावन (भड़ौंदा कलां) में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस आधुनिक विद्यालय भवन का निर्माण कानपुर निवासी सजन कुमार दैंगला ने अपने स्वर्गीय माता-पिता घनश्याम दास दैंगला एवं भगवानी देवी दैंगला की पुण्य स्मृति में करवाया है।

लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भांभू रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य विशंभर पुनिया, समाजसेवी एवं प्रवक्ता राजकुमार मूंड, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, बिहारी जी सेवा सदन के ट्रस्टी रामोतार जालान, भामाशाह सजन कुमार दैंगला, उनके पुत्र मनोज कुमार दैंगला, पुत्री अंजू गोयनका, प्रधानाध्यापक शीशराम झाझड़िया, पंचायत समिति सदस्य राजश्री, प्रशासक सुरेन्द्र झाझड़िया, बिहारी जी सेवा सदन के मैनेजर राजेन्द्र शर्मा और रतीराम धींवा सहित वृंदावन व भड़ौंदा कलां के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के साफा पहनाकर स्वागत, मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद भामाशाह मनोज कुमार दैंगला एवं अंजू गोयनका ने रिबन काटकर विद्यालय भवन का विधिवत उद्घाटन किया, जबकि विधायक राजेन्द्र भांभू ने शिलापट्ट का अनावरण किया। नवनिर्मित भवन को लोक कल्याण की भावना के साथ समाज को समर्पित किया गया है। कार्यक्रम के समापन पर बिहारी जी सेवा सदन की ओर से सभी अतिथियों व ग्रामीणों के लिए मिठाई और प्रीतिभोज की व्यवस्था की गई।

हिन्दी भाषा महोत्सव में अलवर के तीन साहित्यकार करेंगे शिरकत, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देंगे प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज.अलवर।

रमेशचंद। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून एवं बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाले 'हिन्दी भाषा महोत्सव' एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में अलवर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विपुल कुमार भवालिया, जे. डी. राणा और हरी सिंह मीरवाल सहभागिता करेंगे। तीनों कवि राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में काव्यपाठ कर अलवर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस राष्ट्रीय साहित्यिक आयोजन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं जनपदों से कवि, साहित्यकार, शिक्षाविद्, लेखक, संपादक तथा हिन्दी-सेवी एक मंच पर एकत्र होंगे। कार्यक्रम के दौरान हिन्दी भाषा के संवर्धन एवं साहित्य के समकालीन विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, पुस्तक लोकार्पण, साहित्यकार सम्मान तथा पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा, साहित्य और पठन-पाठन की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना तथा देशभर के साहित्यकारों के बीच संवाद, समन्वय एवं साहित्यिक सहयोग को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति उत्तराखण्ड के बाजपुर से संचालित एक सक्रिय संस्था है, जिसकी स्थापना साहित्यकार विवेक बादल बाजपुरी ने की है और इसके संरक्षक पंकज प्रकाश हैं। संस्था हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्यरत है और अब तक तीन विश्व कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। भाषा मंत्री खजान दास के मार्गदर्शन तथा निदेशक मायावती ढकरियाल एवं उपनिदेशक जसविंदर कौर के सहयोग से उत्तराखण्ड भाषा संस्थान साहित्यिक गतिविधियों को नई दिशा दे रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को नई ऊर्जा मिल रही है।

बहुजन समाज की एकता और अधिकारों को लेकर जल्द होगा विशाल 'बहुजन समाज एकता सम्मेलन'

एससी, एसटी, ओबीसी एवं माइनॉरिटी समाज से जुड़े संगठनों की संयुक्त बैठक सम्पन्न, विभिन्न प्रस्ताव पारित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं माइनॉरिटी समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक शनिवार को स्थानीय अंबेडकर भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण समिति के संरक्षक प्रोफेसर जयलाल सिंह ने की। बैठक में जिले भर से विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, श्रमिक, किसान, युवा एवं सामाजिक न्याय से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार, किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं, युवाओं के भविष्य, महिलाओं के अधिकारों तथा संविधान प्रदत्त अधिकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को संगठित होकर अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से ही सामाजिक परिवर्तन संभव है तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने विभिन्न समसामयिक घटनाओं, सामाजिक परिस्थितियों तथा सरकारी नीतियों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं माइनॉरिटी समाज के लोगों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्रवाई होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है।बैठक में नवीन कुमार प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाने, इस्लामपुर का नाम यथावत बनाए रखने तथा एससी, एसटी, ओबीसी एवं माइनॉरिटी समाज के लोगों के साथ होने वाले कथित अन्याय एवं अत्याचार के मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने सहित विभिन्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और संविधान के मूल्यों को बनाए रखने के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर चलना समय की आवश्यकता है। बैठक के संयोजक विकास आल्हा ने कहा कि जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों को एक मंच पर लाने का उद्देश्य समाज में एकता, जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि झुंझुनूं जिले के सभी सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में शीघ्र ही एक विशाल 'बहुजन समाज एकता सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में जिले भर के सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, युवा, महिला प्रतिनिधि तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन में सामाजिक एकता, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय, संविधान संरक्षण, युवाओं की भागीदारी तथा समाज के समग्र विकास जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़, प्रोफेसर जयलाल सिंह, समाजसेवी मनीराम देवरोड़, लीलाधर चौहान, डॉ. संपत बारूपाल (जिला अध्यक्ष, अजाक), मदनलाल गुड़ेसर (जिला महासचिव, मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान), वीरेंद्र मीणा (अध्यक्ष, मीणा समाज), ओमप्रकाश सेवदा (प्रदेश महासचिव, भारत मुक्ति मोर्चा राजस्थान), रामानंद आर्य (पूर्व जिला अध्यक्ष, एससी-एसटी अत्याचार निवारण समिति), दिनेश बरवड़ (भीम आर्मी), शीशराम सिलोलिया (अखिल भारतीय अंबेडकर महासभा), महेंद्र सिंह चारावास (जिला अध्यक्ष, आजाद समाज पार्टी), खलील बुडाना (जिला कार्यकारी अध्यक्ष, कांग्रेस), अनुराग भरू (पूर्व मीडिया प्रभारी, भीम आर्मी), प्रतीक रसोड़ा, एडवोकेट बजरंग लाल (भगत सिंह विचार मंच), शीशराम गोठवाल (जिला सचिव, राजस्थान निर्माण मजदूर संघ), हरिओम पिलानी, ओमप्रकाश सुनिया, सीताराम पंवार, मोहम्मद अकरम सोती, शेरसिंह अलीपुर, अजीत मेघवाल, शैलेश भारतीय, सुमेर सिंह, कामरेड ओमप्रकाश झारोड़ा, यूनिस भाटी, होशियार सिंह आलड़िया, महावीर महरिया, राजेश आलड़िया, कमलेश काला, दुर्गा प्रसाद बोयल, अरविंद पूनिया, योगेश कुमार टंडन, मदनलाल सांखला, कैप्टन मोहनलाल, शिवचंद वाहिदपुरा, सुभाष चंद्र लाला माण्डी सहित दर्जनों सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

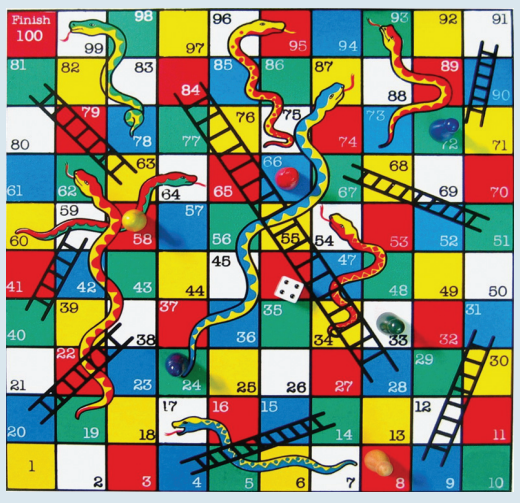

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है।
ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्रर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

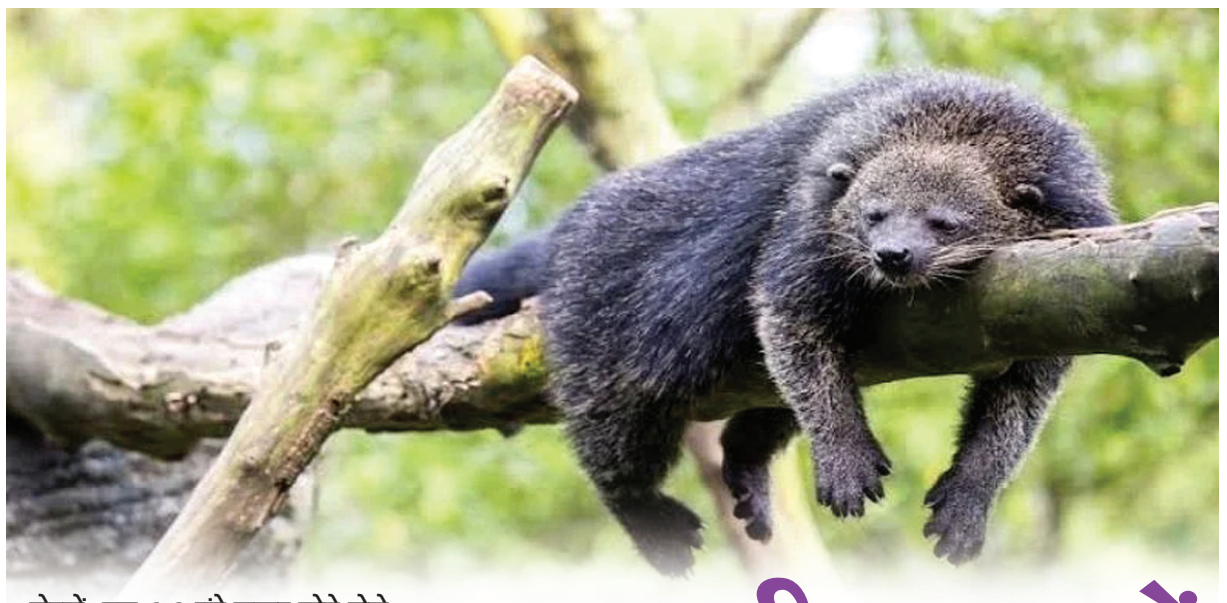

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

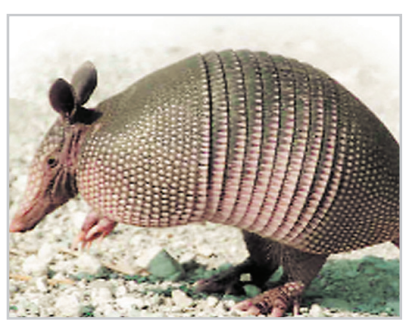

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर' ।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक का झुंझुनू दौरा, बीआईटीएस पिलानी में फसल अवशेष से पशु चारा बनाने की परियोजना की समीक्षा की

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय (जयपुर) के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर रवि ने झुंझुनू जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बीआईटीएस), पिलानी का भ्रमण कर नाबार्ड के क्लाइमेट चेंज फंड (सीसीएफ) के तहत स्वीकृत एक महत्वपूर्ण परियोजना की त्रैमासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह परियोजना स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौधों और फसल अवशेषों (कृषि अपशिष्ट) का उपयोग कर 'फोडर पेलेट' (पशु चारे की गोलियां) विकसित करने से जुड़ी है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि अपशिष्ट का प्रभावी प्रबंधन करना है। बैठक में परियोजना इंचार्ज डॉ. सुशील यादव और उनकी टीम ने पेलेट निर्माण प्रक्रिया, अब तक किए गए परीक्षणों और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर रवि ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल कृषि अवशेष प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने पेलेट्स की शेल्फ लाइफ (भंडारण क्षमता) बढ़ाने और उत्पादन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि सफल फॉर्मूलेशन के बाद किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से जोड़ा जाए, ताकि स्वरोजगार के अवसर पैदा हों।

ग्राम पंचायत जालावास के लाल हेमंत यादव बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट, गांव में डीजे-बाइक रैली के साथ हुआ भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.जालावास।

रमेशचंद । ग्राम पंचायत जालावास के होनहार युवा हेमंत यादव ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट का पद हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक कामयाबी पर गांव पहुंचने पर पंचायत के युवा साथियों ने भव्य स्वागत किया। हेमंत यादव की इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। स्वागत समारोह के दौरान मोलावास से लेकर बाबा मेड़ा मंदिर तक डीजे की धुन पर फूल-मालाओं के साथ बाइक रैली निकाली गई। युवाओं ने हेमंत यादव को कंधों पर उठाकर और भारत माता के जयकारे लगाकर उनका अभिनंदन किया। स्वागत के पश्चात हेमंत के परिवार द्वारा बाबा मेड़ा मंदिर, जालावास में इस खुशी के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दाल-बाटी-चूरमा के इस भंडारे में जालावास ग्राम पंचायत के सभी ग्रामीणों को सादर आमंत्रित किया गया। इस स्वागत कार्यक्रम में धाकड़ यादव, राधेश्याम, महेश ई-मित्र, सौरभ शर्मा, मनोज मनेठी, मोहित, रवि, रोहित, भानु प्रताप, योगेश, चेतन, हेमंत, हर्ष, अंशल यादव, प्रमोद, पंकज, हंसदीप, हिम्मत, तेजराम, पार्थ, नितिन, अनिल, योगराज सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि हेमंत यादव की यह सफलता गांव के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और सेना में जाने का सपना देखने वाले बच्चों को नई दिशा देगी।

चिड़ावा में टाटा मोटर्स के नए भव्य शोरूम का उद्घाटनः विधायक पीतराम सिंह काला ने किया नई 'टियागो प्रैसेल सीएनजी ईवी' को लॉन्च

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय सूरजगढ़ रोड बाईपास पर ऑटोमोबाइल क्षेत्र में एक बड़े विस्तार के रूप में टाटा फोर व्हीलर के नए अधिकृत शोरूम 'मैसर्स कृष्णा राज फोर व्हीलर्स प्राइवेट लिमिटेड' का भव्य उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिलानी विधायक पीतराम सिंह काला ने फीता काटकर और केक अनुष्ठान के साथ इस अत्याधुनिक शोरूम का विधिवत शुभारंभ किया।

इस गरिमामयी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पिलानी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद काजला और अनिल जांगिड़ उपस्थित रहे। उद्घाटन के इस सुनहरे अवसर को और यादगार बनाते हुए शोरूम पर टाटा की बेहद लोकप्रिय कार 'टाटा टियागो' का नया मॉडल 'प्रेसेल सीएनजी ईवी' भी आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया, जो पर्यावरण-अनुकूल और आधुनिक तकनीक का बेजोड़ संगम है। कार्यक्रम के दौरान ब्रांच मैनेजर देवीलाल सैनी, हरिओम कुमावत, संदीप मील सहित संस्थान के समस्त स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस नए शोरूम के खुलने से अब चिड़ावा और आस-पास के क्षेत्र के निवासियों को टाटा की बेहतरीन गाड़ियाँ और विश्वस्तरीय सेवाएं अपने नजदीक ही मिल सकेंगी।

डॉ यदूराजसिंह नाथावत ने किया पीएमएसएमए का निरिक्षण

एचआरपी चिन्हित करने, संस्थागत प्रसव बढ़ाने एवं लौह अल्पता युक्त एनीमिया में इंजेक्शन एफसीएम लगाने पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल ,झुंझुनूं में पीएमएसएमए दिवस के अवसर पर निरिक्षण किया गया। डॉ यदूराजसिंह नाथावत ने गर्भवती महिलाओं ,नर्सिंग अधिकारियों एवं चिकित्सकों से फीडबैक लिया। गर्भवती महिलाओं ने अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं की सराहना की गयी है। इस दौरान 45 गर्भवती महिलाओं की जांच की गयी। 3 महिलाओ में रक्तचाप, 05 में एनीमिया की तकलीफ पायी, 05 महिलाओं को खून बढ़ाने का इंजेक्शन एफसीएम लगाया गया। अस्पताल में एक ही छत के नीचे जांच, ब्लड, ऑपरेशन की सुविधा होने से रोगीयों के लिए लाभदायक एवं सुविधाजनक साबित हो रही है। डॉ नाथावत ने एचआरपी की पोर्टल पर दर्ज करने हेतू निर्देशित किया गया तथा एचआरपी केसेज की समय समय पर मॉनिटॉरिंग करने के निर्देश प्रदान किए गये। इस दौरान पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र भाम्बू ,आरएमओ डॉ सिद्धार्थ शर्मा, डॉ प्रमोद गढ़वाल, डॉ श्वेता पूनिया, डॉ नावेद ,नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश जांगीड़, प्यारेलाल,सरिता नूनिया उपस्थित रहें।

सबलानिया मानद डॉक्टरेट उपाधि से होंगे सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रामावतार सबलानिया को डॉक्टर ऑफ सोशल सर्विस (मानद डॉक्टरेट)किए जाने की घोषणा की गई है ।यह सम्मान उन्हें यूनाइटेड अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस यू .एस.ए. द्वारा चयन परिषद की स्वीकृति के बाद प्रदान किया जाएगा ।विश्वविद्यालय की ओर से जारी मेमोरेंडम के अनुसार उनका नामांकन डॉक्टर के. सुकुमारा इंटरनेशनल डायरेक्टर यू.ए.यू द्वारा किया गया है । जारी पत्र के अनुसार यह सम्मान सामाजिक सेवा, नेतृत्व, तथा समाज के प्रति समर्पित योगदान के लिए दिया जा रहा है। मानद डॉक्टरेट अलंकरण समारोह 4 जुलाई 2026 पांडिचेरी में आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा ।विश्वविद्यालय ने अपने संदेश में रामावतार सबलानिया को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है सबलानिया को मानद डॉक्टरेट उपाधि मिलने की घोषणा पर जिला झुंझुनू व स्थानीय संघ नवलगढ़ के स्काउटर, गाइडर, पदाधिकारी एवं शिक्षा अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुतोद व उप स्वास्थ्य केंद्र डुंगरवास का लोकार्पण समारोह आज

क्षेत्रीय विधायक पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सुतोद गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व उप स्वास्थ्य केन्द्र डूंगरवास का लोकार्पण 28 जून रविवार को प्रातः 9.30 बजे लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। आयोजित समारोह में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मनगढ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता नेछवा पंचायत समिति की निवर्तमान प्रधान श्रीमती संतरा देवी विशिष्ट अतिथि होगी जबकि ग्राम पंचायत सुतोद के प्रशासक रणजीत सिंह गोदारा समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

आमजन को राहतः मंडावा में शहरी सेवा शिविर का एसडीएम विश्वमित्र मीणा ने किया निरीक्षण, पेंडिंग मामलों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

मुख्यमंत्री भजनलाल की मंशा के अनुरूप मौके पर ही हो रहा समस्याओं का समाधान

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार के जनहितैषी 'शहरी सेवा शिविर-2026' के अंतर्गत शनिवार को नगरपालिका मंडावा परिसर में फॉलोअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की व्यवस्थाओं और प्रगति का जायजा लेने के लिए उपखंड अधिकारी (एसडीएम) विश्वमित्र मीणा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मीणा ने काउंटर दर काउंटर जाकर व्यवस्थाओं को देखा और विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी पीड़ित को बार-बार चक्कर न काटने पड़ें। कृषि भूमि पट्टे और जनआधार से जुड़े मामलों पर विशेष जोर निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी विश्वमित्र मीणा ने शिविर में अब तक प्राप्त हुए आवेदनों और जनशिकायतों की फाइलें मंगवाकर उनकी गहन समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से: कृषि भूमि पट्टों के आवंटन जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र जनआधार से जुड़ी त्रुटियों के सुधार वार्डों में सफाई एवं रोशनी संबंधी मूलभूत जनसमस्याओं के निस्तारण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। एसडीएम ने पत्रावलियों पर त्वरित कार्रवाई करने और आवश्यक विभागीय प्रक्रियाएं जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक बेहद सरल और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है।

पात्र व्यक्ति न रहें योजनाओं से वंचितः एसडीएम

एसडीएम मीणा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की सोच इन शिविरों के माध्यम से जनता के द्वार पर जाकर समस्याओं का समाधान करने की है। अतः विभागीय समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित न रहे। शिविर में पहुंचे लाभार्थियों ने त्वरित कार्य होने पर खुशी जाहिर की। आमजन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान सरकार तथा नगरपालिका मंडावा प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन शिविरों के कारण उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से बड़ी राहत मिली है और उनके काम समयबद्ध तरीके से पूरे हो रहे हैं।

शिविर में इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने दीं सेवाएं

शिविर को सुचारू रूप से चलाने और आमजन को मौके पर ही राहत देने के लिए नगरपालिका प्रशासन सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुस्तैद नजर आए। नगरपालिका मंडावा, आनंद बिहारी सोलंकी (प्रारूपकार) डॉ. विशाखा कटारिया,सुनीता सुरजीत यादव, मुकेश कुमार,तेजपाल,नरेंद्र कुमार, ममता कुमारी अरविंद कुमार, सचिन जोशी, विकास कुमार, राजकुमार, सहित आयुर्वेद विभाग सुनीता कुमारी आरयूआईडीपी (RUIDP) विभाग जगदीश प्रसाद मीणा, आयुष विभाग: विकास महला पीएचईडी (जलदाय) विभाग, सुरेश कुमार ,बिजली विभाग, देशराज चिकित्सा विभाग, निशा (लैब टेक्नीशियन) एवं उमेश सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विकास मील ने शिविर के दौरान इन सभी कार्मिकों ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को दी और प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। नगरपालिका प्रशासन ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे शिविरों के माध्यम से जनसुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाया जाता रहेगा।

पट्टे बनवाकर अभियान को सफल बनाने की अपील

नगरपालिका के प्रारूपकार आनंद बिहारी सोलंकी ने शिविर की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही इस फॉलोअप शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि वे सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न छूटों और रियायतों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने पट्टे बनवाकर इस अभियान को पूरी तरह सफल बनाएं।

ऑपरेशन सिंदूर के शहीद सर्जेंट सुरेंद्र कुमार को वायु सेना मेडल मिलने पर सांसद बृजेंद्र सिंह ओला का बयान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं सांसद बृजेंद्र सिंह ओला ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए मंडावा निवासी सर्जेंट सुरेंद्र कुमार को वायु सेना मेडल से सम्मानित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों के सम्मान में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 28 जुलाई 2025 को लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान के बाद उन्होंने सदन में यह मुद्दा उठाया था कि झुंझुनूं के मंडावा निवासी सर्जेंट सुरेंद्र कुमार मोगा और राइफलमैन सुनील कुमार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि बाद में वायुसेना प्रमुख भी शहीद के परिजनों से मिले थे। सांसद ओला ने कहा कि अब सरकार द्वारा शहीद सर्जेंट सुरेंद्र कुमार को वायु सेना मेडल से सम्मानित किया जाना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन शहीदों के सम्मान में इतनी देरी नहीं होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि इस सम्मान के साथ सरकार ने यह स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के वीर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। सांसद ने शहीद सर्जेंट सुरेंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

स्व. अनिल डांगी की प्रथम पुण्यतिथि पर विद्यार्थियों को वितरित की पाठ्य सामग्री

भीम प्रज्ञा न्यूज.नरहड़।

नरहड़ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को स्वर्गीय अनिल डांगी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर डांगी परिवार की ओर से विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में स्व. अनिल डांगी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके पिता रणवीर सिंह डांगी, चाचा दयाराम डांगी, भाई सुनील डांगी, अशोक डांगी तथा पुत्र निखिल डांगी ने विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री प्रदान की। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं किसान सभा तहसील चिड़ावा के अध्यक्ष दरिया सिंह धायल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष चिड़ावा कॉलेज सुनील कुलहरी, कुलदीप डांगी, नितेश डांगी, अनीष गोदारा, आलोक दीप, प्रमित खरड़िया, रोहन श्योराण, अंकित धायल, जितेंद्र धायल, सुशांत गढ़वाल, रोहित, अनिल रणवा सहित विद्यालय के शिक्षक प्रवीण कुमार अरोड़ा, मुमताज, शिल्ला, संतोष एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उपस्थित जनों ने स्व. अनिल डांगी के जीवन एवं सामाजिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों व नव पदोन्नत व्याख्याताओं के स्थानांतरण की मांग, शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने प्रदेश में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण पर लगे प्रतिबंध को हटाने तथा सभी शिक्षकों के लिए पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा है। संगठन के मुख्य संरक्षक एवं प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने कहा कि 19 जून को प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण से प्रतिबंध हटाने के बावजूद तृतीय श्रेणी शिक्षकों पर यह प्रतिबंध जारी है, जो उनके साथ अन्याय है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्थानांतरण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति बनाई जाए, जिसमें आवेदन आमंत्रित करने, पात्रता के आधार पर छंटनी करने और वरिष्ठता के अनुसार स्थानांतरण करने का प्रावधान हो। साथ ही जनप्रतिनिधियों की सिफारिश पर होने वाले स्थानांतरण बंद किए जाएं। संगठन ने यह भी मांग की कि कार्यग्रहण कर चुके नव पदोन्नत व्याख्याताओं को भी स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल किया जाए, क्योंकि उन्हें काउंसलिंग के दौरान पर्याप्त रिक्त पदों का अवसर नहीं मिला था। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र एवं सरकार की घोषणाओं के बावजूद अब तक स्थानांतरण नीति लागू नहीं की गई है। प्रदेश मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो शिक्षक संघ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन की प्रतियां शिक्षामंत्री, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्कूल शिक्षा) तथा प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर को भी भेजी गई हैं।

ताजिया निर्माण और अखाड़ा कला के उस्तादों का सम्मान, कलाकारों को किया गया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मोहर्रम के पावन अवसर पर मण्डावा में निकाले गए ताजिया जुलूसों के दौरान अखाड़ा कलाकारों ने अपने हैरतअंगेज करतबों से लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट एवं आकर्षक ताजिए तैयार करने वाले कारीगरों, उस्तादों तथा अखाड़ा कलाकारों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। ताजिया कमेटी अध्यक्ष अयूब खत्री ने बताया कि मोहर्रम के दौरान ताजिया निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले उस्तादों, मुख्य कारीगरों और अखाड़ा प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह, साफा एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने वाले कलाकारों का उत्साहवर्धन करना था। समारोह के दौरान अखाड़ा कलाकारों ने लाठी, तलवार तथा अन्य पारंपरिक हथियारों के साथ आकर्षक एवं रोमांचक करतबों का प्रदर्शन किया। वहीं इस वर्ष तैयार किए गए कलात्मक और अनूठे ताजिए भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लेकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर अनवर नयारिया, ताजिया कमेटी अध्यक्ष अयूब खत्री, असगर सब्जी फरोश, बाबू सब्जी फरोश, यूनूस मोम, साबिर मोम, साजिद मोम, साबिर नयारिया, सतार शेख, सबीर शेख, शकील, तसलीमुद्दीन, शोएब मोम, सलीम लीलगर, शौकत नयारिया, साले मोहम्मद मोम सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

नीमराना नगर पालिका के शहरी सेवा शिविर का डॉ. अंजली यादव ने किया औचक निरीक्षण, मौके पर कराया समस्याओं का समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

ह्यारमेशचंद । नगर पालिका नीमराना में 27 जून 2026 को आयोजित शहरी सेवा शिविर का डॉ. अंजली यादव भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधी मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। डॉ. अंजली यादव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देकर कई समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निस्तारण करवाया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। शिविर में नगर पालिका कर्मचारी वीरेंद्र चौधरी, भागीरथ, ज्योति यादव, राजेश यादव, नितेश कुमार और जितेंद्र शर्मा मौजूद रहे। इसके अलावा राजस्व विभाग से राज कंवर कुल्हारी, सामाजिक अधिकारिता विभाग से रीना यादव, कृषि पर्यवेक्षक ज्योति यादव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से संतोष कुमारी ने भी शिविर में अपनी सेवाएं दीं। अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों के आवेदन मौके पर ही भरवाए और दस्तावेज पूरे करवाए। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र यादव, राकेश खंडेलवाल, छोटेलाल, विजय बरसीवाल, रामवीर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. अंजली यादव ने कहा कि शहरी सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर सभी सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले हर व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से लेकर समयबद्ध समाधान किया जाए, ताकि जनता को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

टोहाना के सभी राशन डिपो पर करोड़ पति ले रहे हैं पांच किलो अनाज, ग़रीब वंचित

फूड एंड सप्लाई विभाग की मिली भगत से चल रहा यह घोटाला, प्रशासन मौन

वार्ड नं 13 के डिपो से विधायक का दावेदार , वकील, नौकरशाह ले रहे हैं राशन, वास्तविक हकदारों के काटे नाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । टोहाना शहर में ज्यादातर राशन डिपो पर प्रशासन के नाक के नीचे सरे आम लूट का नजारा देखने को मिल रहा है परंतु हरियाणा सरकार का फूड एंड सप्लाई विभाग सब कुछ देखकर कर भी चुप क्यों हैं यह आम जनता की समझ से परे है।शहर में ज्यादातर राशन डिपो पर यह शिकायत आम देखने को मिल रही है कि शहर के लगभग सभी वार्डों के डिपो में वास्तविक हकदारों को राशन सुविधा से वंचित रखा जा रहा है तथा जो सिफारिशी है वे करोड़ पति होते हुए भी फ्री का राशन हड़प कर रहे हैं।एक आम गरीब व वास्तविक हकदार का नाम उसकी फेमिली आईडी में मोटरसाइकिल, बिजली बिल इत्यादि का हवाला देकर राशन काट दिया जाता है। उक्त गरीब व्यक्ति समाधान शिविर से लेकर सीएम विंडो तक अपनी फरीयाद लेकर शिकायत दर्ज करवाता है परंतु वहीं ढाक के तीन पात वाली कहावत फीट बैठ जाती है।गरीब व हकदारों को फेमिली आईडी मे परिवार की आमदनी ज्यादा दिखाकर उसके राशन कटने का हवाला दे दिया जाता है जबकि वार्ड नं 13, आजाद नगर के डिपो पर आज भी कम-से-कम 20करोडपति,दो दर्जन से ज्यादा नौकरशाह,एक दर्जन प्रोपर्टी डीलर, वकील, सरे-आम पांच किलो अनाज व सरसों तेल व अन्य सामग्री सरे आम ले रहे हैं।एक मामला तो बड़ा ही दिलचस्प देखने को मिला कि वार्ड नं 13 के डिपो से एक सख्स तो टोहाना से राष्ट्रीय पार्टी की टिकट मांग रहा था तथा अंत तक दौड़ में भी रहा ,अब पता चला है कि उक्त व्यक्ति वार्ड नं 13 के डिपो से अब भी पांच किलो अनाज फ्री में लेकर ग़रीब का हक मार रहा है देखने की बात यह है कि क्या प्रशासन को इन सब बातों का पता नहीं है अगर है तो क्या कार्यवाही की जा रही है।इस ख़बर के जरिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अनुरोध है कि गरीब को राहत दी जाए और वार्ड नं 13 में जो वकील, नौकरशाह, करोड़ पति सरे आम लूट मचा रहे हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर उनपर रिकवरी डाली जाए साथ ही पूरे मामले की मुख्य विजिलेंस से जांच करवाई जाए।

अटेली में रजिस्ट्री-इंतकाल संकट, कांग्रेस ने सरकार को घेरा- सुमेर बिहाली प्रधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । कांग्रेस के अटेली ब्लॉक प्रधान सुमेर सिंह बिहाली ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अटेली क्षेत्र में रजिस्ट्री और इंतकाल के कार्यों को लेकर आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है। सरकार केवल दिखावे की राजनीति कर रही है जबकि जमीनी स्तर पर समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई हैं । आम आदमी को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सुमेर सिंह बिहाली ने कहा कि देश में लगातार पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है और सरकार इस पर प्रभावी रोक लगाने में असफल रही है। महंगाई के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि आज देश में महंगाई अपने चरम पर है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता का बजट बिगड़ गया है। इसके अलावा उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले सरकार ने दावा किया था कि किसी भी सैनिक को नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अब सच्चाई सामने आ रही है, जिससे सरकार की नीतियों पर संदेह उत्पन्न होता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए और पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड पाठ, श्रद्धालुओं ने की आरती व प्रसाद ग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

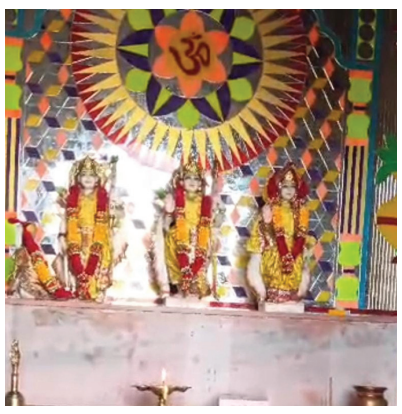

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के भगवान राम जानकी हनुमान मंदिर में हर माह के प्रत्येक शनिवार को होने वाले साप्ताहिक सामूहिक सुंदरकांड पाठ , हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति व आरती का आयोजन हुआ ।

यह जानकारी देते हुए छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति व आरती का सामूहिक आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के पदाधिकारी सदस्यों, छात्रावास के विधार्थियों व श्रद्धालु भक्तों की ओर से सामूहिक वाचन किया जाता है तथा पाठ के समापन के बाद आशीर्वाद स्वरूप भगवान का प्रसाद वितरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भगवान के दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया जाता है। इस अवसर पर समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी भूमि प्रदाता दीपक कटारिया, राजा कटारिया, अंकित गौड़, संदीप पिपलोदिया, अनिल जाजम,मनीष बालाण, अंकित महावर, अनिल सैनी, पंकज बालाण सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुतोद व उप स्वास्थ्य केंद्र डुंगरवास का लोकार्पण समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सुतोद गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व उप स्वास्थ्य केन्द्र डूंगरवास का लोकार्पण 28 जून रविवार को प्रातः 9.30 बजे लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। आयोजित समारोह में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष लक्षमनगढ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता नेछवा पंचायत समिति की निवर्तमान प्रधान श्रीमती संतरा देवी विशिष्ट अतिथि होगी जबकि ग्राम पंचायत सुतोद के प्रशासक रणजीत सिंह गोदारा समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

क्षेत्रीय विधायक पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

टोहाना एसडीएम ने गांव नाढोडी स्थित कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण, अभियान की प्रगति की समीक्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने शनिवार को नाढोडी स्थित एसआईआर के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की प्रगति की समीक्षा की तथा बीएलओ, सुपरवाइजर एवं नोडल अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के वितरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। अब प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त प्रपत्रों का समयबद्ध तरीके से ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी प्रपत्रों का डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरे किए जा सकें। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन अपलोडिंग का कार्य पूरी सावधानी एवं शुद्धता के साथ किया जाए। प्रत्येक प्रपत्र का सत्यापन करते हुए सही विवरण दर्ज किया जाए, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करे। एसडीएम आकाश शर्मा ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड स्तर पर चल रहे कार्यों की निरंतर समीक्षा करें तथा बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखें। जहां भी किसी प्रकार की समस्या सामने आए, उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि अभियान निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य एक ऐसी मतदाता सूची तैयार करना है जो पूरी तरह नवीन, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित हो। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों का सक्रिय सहयोग एवं सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

बीएलओ, सुपरवाइजर एवं नोडल अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

ब्लैकमेलिंग से तंग विवाहिता पानी की टंकी पर चढ़ी, पति ने समझाकर उतारा; दुष्कर्म का मामला दर्ज

अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप, नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक विवाहिता के जलदाय विभाग की ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ जाने से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, वहीं मंडावर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने काफी देर तक समझाइश की, लेकिन विवाहिता नीचे उतरने को तैयार नहीं हुई। हालात को देखते हुए पुलिस ने उसके पति की मदद ली। पति स्वयं टंकी पर चढ़ा और काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद पत्नी को सुरक्षित नीचे उतारने में सफल रहा। इसके बाद पुलिस महिला और उसके पति को मंडावर थाने लेकर पहुंची।थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में पीड़िता ने थाना क्षेत्र के गढ़ हिम्मतसिंह निवासी एक युवक पर अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर लगातार ब्लैकमेल करने तथा डराकर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने बताया कि लंबे समय से हो रही इस प्रताड़ना से परेशान होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटना की जानकारी मिलने पर महुवा वृत्ताधिकारी अनूप सिंह भी मंडावर थाने पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि प्रकरण की जांच थानाधिकारी प्रवीण मीणा को सौंपी गई है तथा पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

5 जुलाई तक पूरी करें ग्वार की बुवाई, बीज उपचार से 90' तक होगा जड़गलन रोग पर नियंत्रण- डॉ. बी.डी. यादव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खंड के गांव राता में शनिवार को ग्वार फसल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. यादव एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व विस्तार निदेशक डॉ. एच.डी. यादव ने किसानों को ग्वार की वैज्ञानिक खेती, रोग नियंत्रण तथा उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। डॉ. बी.डी. यादव ने किसानों से आह्वान किया कि ग्वार की शेष बुवाई 5 जुलाई तक पूरी कर लें तथा बीज उपचार किए बिना बुवाई न करें। उन्होंने बताया कि प्रति किलो बीज पर 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन) से उपचार करने पर जड़गलन रोग पर 85 से 90 प्रतिशत तक नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मात्र 15 रुपये के बीज उपचार से फसल को बड़ी बीमारी से बचाया जा सकता है। डॉ. एच.डी. यादव ने किसानों को मिट्टी एवं पानी की जांच करवाकर ही खाद का प्रयोग करने तथा प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होंने जड़गलन एवं झुलसा रोग की रोकथाम के उपाय भी विस्तार से बताए। शिविर में किसानों को दो एकड़ के बीज उपचार के लिए बाविस्टीन दवा एवं एक-एक जोड़ी दस्ताने हिंदुस्तान गम एंड केमिकल्स, भिवानी की ओर से निःशुल्क वितरित किए गए।

उन्नत किस्में अपनाने की सलाह

डॉ. बी.डी. यादव ने किसानों को एचजी-365 एवं एचजी-563 किस्म की ग्वार बोने की सलाह देते हुए कहा कि इन किस्मों के बाद सरसों की खेती भी आसानी से की जा सकती है। उन्होंने क्षेत्र में गिरते भूजल स्तर को देखते हुए सिंचाई कर ग्वार की बुवाई से बचने तथा मानसून आधारित खेती अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान सुरेंद्र सिंह, बाबूलाल, घनश्याम कोलाणा, दिनेश, विनोद, सत्यबीर, पोप सिंह, राजबीर, उमराव, तेजपाल, अजीत कुमार सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं से ठगी, 23 घंटे में चढ़ा पुलिस के हत्थे शातिर आरोपी

भाजपा कार्यालय का नाम लेकर वसूली का खेल, फर्जी भर्ती के नाम पर रुपए ऐंठने वाला चूरू निवासी गिरफ्तार।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-बैजूपाड़ा।

मनोज खंडेलवाल । नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को बैजूपाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज होने के महज 23 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन तथा बाँदीकुई सीओ लक्ष्मीकांत शर्मा के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में की गई त्वरित कार्रवाई में चूरू जिले के रतननगर निवासी राजकुमार पुत्र मांगीलाल जांगिड को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने स्वयं को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय जयपुर से जुड़ा बताते हुए जिला मुख्यालय पर लिपिक सहायक पद पर भर्ती कराने का झांसा दिया। इसके बाद उसने कई युवाओं से संपर्क कर पहले पंजीयन शुल्क के नाम पर एक-एक हजार रुपये तथा बाद में बैंक खाते और अन्य प्रक्रिया का हवाला देकर अलग-अलग राशि ऑनलाइन जमा करवा ली। निर्धारित तिथि पर सभी अभ्यर्थियों को दौसा जिला मुख्यालय बुलाया गया, जहां संबंधित अधिकारी और भर्ती प्रक्रिया का कोई अस्तित्व नहीं मिला। प्रदेश कार्यालय से जानकारी लेने पर भी पूरा मामला फर्जी निकला। पीड़ित रामसिंह उर्फ पिंटू मीणा की रिपोर्ट पर बैजूपाड़ा थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और त्वरित अनुसंधान के आधार पर आरोपी को 23 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि उसने इस प्रकार की ठगी की वारदात अन्य स्थानों पर भी की है या नहीं तथा मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही।

ग्रामीण सेवा शिविर : वर्षों पुराना भूमि विवाद आपसी सहमति से सुलझा

ह्यभीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत शनिवार को श्रीडूंगरगढ़ उपखंड की ग्राम पंचायत लिखमीसर उत्तरादा में आयोजित शिविर ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत लाया। शिविर के दौरान वर्षों से लंबित भूमि विवाद का आपसी सहमति से समाधान कर दिया गया। दोनों पक्षों ने राजस्व विभाग की पहल पर सहमति व्यक्त करते हुए भूमि के विभाजन को स्वीकार किया, जिससे लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया। शिविर में राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में पक्षकार कानाराम पुत्र उदाराम एवं रामचंद्र पुत्र नारायणराम, निवासी लिखमीसर उत्तरादा, के बीच सहमति से भूमि का विभाजन कराया गया तथा आवश्यक दस्तावेज सौंपे गए। इस समाधान से दोनों पक्षों को उनके हिस्से का स्पष्ट निर्धारण हो गया। इस सहमति से भविष्य में न्यायालयीन विवाद और अनावश्यक खर्च से राहत मिलेगी। साथ ही राजस्व अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टियां दर्ज होने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। गांव में आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और विश्वास को भी मजबूती मिली है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, राज्य सरकार, जिला प्रशासन, राजस्व विभाग तथा ग्रामीण सेवा शिविर-2026 से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से वर्षों पुराने विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान संभव हो रहा है, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिल रही है।

दुर्घटनाग्रस्त किसानों के लिए सहारा बनी मुख्यमंत्री सुरक्षा योजना, मिली लाखों की सहायता राशि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय मंडी अटेली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मार्केट कमेटी अटेली के अध्यक्ष दिनेश जैलदार ने पीड़ित किसानों को सहायता राशि के चेक सौंपे। राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में कार्यरत किसानों और खेतिहर मजदूरों के कल्याण हेतु संचालित मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना-2013 संकट के समय पीड़ितों के लिए एक मजबूत संबल बनकर उभरी है। इसी क्रम में, कृषि विपणन बोर्ड द्वारा हाल ही में दुर्घटना का शिकार हुए दो किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मार्केट कमेटी अध्यक्ष दिनेश जैलदार ने कहा कि सरकार किसानों के हर सुख-दुख में साथ खड़ी है। योजना के प्रावधानों के अनुसार, बिहाली निवासी संदीप किसान जिसका अनाज निकालने की मशीन में हाथ कट गया था, उसे उपचार एवं पुनर्वास हेतु 1,25,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। वहीं, दूसरे किसान बलवाड़ी निवासी नीरज की उंगली कटने की चोट के बदले 37,500 रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान मंत्री सचिव गोविंद गोस्वामी, सरपंच सीताराम, सुपरवाइजर अनिल कुमार, पंकज मंडी सुपरवाइजर पंकज, आदेश यादव और पंकज गौड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

किसानों के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाएं-

सरकार का मुख्य उद्देश्य खेती के जोखिम भरे काम के दौरान अपंगता या मृत्यु का सामना करने वाले परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत सरकार उन सभी पंजीकृत किसानों को कवर करती है जो मंडी या खेतों में काम करते समय दुर्घटना का शिकार होते हैं। इस योजना में शारीरिक अंगों की हानि के अनुसार सहायता राशि का निर्धारण किया गया है, ताकि पीड़ित अपनी आजीविका का मार्ग फिर से प्रशस्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, सरकार फसल बीमा योजनाओं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से सीधे बैंक खातों में नकद हस्तांतरण और कृषि यंत्रों पर भारी सब्सिडी देकर किसानों को संबल प्रदान कर रही है।

जींद जिला परिषद चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा ने फुलियां कला में अपने निजी कोष से वाटर कूलर लगवाकर जनसेवा की मिसाल पेश की

भाजपा जनकल्याण मंच के जिला उपाध्यक्ष कुलदीप लांबा का विशेष योगदान रहा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.जींद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । भीषण गर्मी को देखते हुए जींद जिला परिषद के चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा ने जनहित में सराहनीय पहल करते हुए ग्राम फुलियां कला में अपने निजी कोष से आधुनिक स्टेनलेस स्टील का वाटर कूलर लगवाया। इस जनकल्याणकारी कार्य से ग्रामीणों एवं राहगीरों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। गांव के लोगों ने इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिलकधारी ने कहा कि जनसेवा ही सच्ची राजनीति का आधार है। चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा द्वारा अपने निजी कोष से वाटर कूलर लगवाना समाज के प्रति उनकी संवेदनशील सोच और सेवा भाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जनहित के कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी प्रेरित करते हैं। भाजपा जनकल्याण मंच के प्रदेश महामंत्री अशोक मेहरा ने कहा कि समाज की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा ने जनता की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जो सराहनीय कार्य किया है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। भाजपा जनकल्याण मंच सदैव ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों के साथ खड़ा रहेगा। भाजपा जनकल्याण मंच के जिला उपाध्यक्ष कुलदीप लांबा ने कहा कि चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा हमेशा क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए तत्पर रहते हैं। उनके द्वारा किया गया यह कार्य आने वाले समय में भी समाज सेवा के लिए प्रेरणा देता रहेगा। अंत में जिला परिषद चेयरमैन कुलदीप सिंह रंधावा ने भाजपा जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिलकधारी, प्रदेश महामंत्री अशोक मेहरा, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप लांबा तथा सभी ग्रामीणों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे जनहित और क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर निर्मल लांबा, डॉ. धर्मपाल, सतीश लांबा, बलबीर मल, सूबे सिंह लांबा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

फसल बीमा योजना में रू47,216 करोड़ का 'मुनाफा', व्यापक सुधार की जरूरत: प्रो. सम्पत सिंह

तीन वर्षों में रू82,015 करोड़ प्रीमियम के मुकाबले किसानों को मिले रू34,799 करोड़ के दावे; निजी बीमा कंपनियों की भूमिका पर उठाए सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चंडीगढ़।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं इनेलो के संरक्षक प्रो. सम्पत सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) में व्यापक सुधार की मांग करते हुए कहा कि योजना के हालिया आंकड़े किसानों के हितों के बजाय निजी बीमा कंपनियों को अधिक लाभ पहुंचाने की तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच देशभर में बीमा कंपनियों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रू82,015.52 करोड़ का प्रीमियम प्राप्त किया, जबकि किसानों को केवल रू34,799 करोड़ के दावों का भुगतान किया गया। उनके अनुसार, इस अवधि में बीमा कंपनियों के पास लगभग रू47,216.52 करोड़ का अंतर बचा, जबकि अकेले वर्ष 2025 में ही यह अंतर रू20,619.28 करोड़ रहा। प्रो. सम्पत सिंह ने कहा कि हरियाणा में भी वर्ष 2023 से 2025 के दौरान बीमा कंपनियों को रू2,827.02 करोड़ का प्रीमियम मिला, जबकि किसानों को रू2,096.86 करोड़ के दावों का भुगतान किया गया। उन्होंने दावा किया कि करीब रू730 करोड़ का अंतर बीमा कंपनियों के पक्ष में गया। उन्होंने बताया कि कुल प्रीमियम में किसानों का योगदान लगभग रू731 करोड़ था, जबकि लगभग रू732-732 करोड़ की राशि राज्य और केंद्र सरकार ने वहन की। यानी योजना का अधिकांश वित्तपोषण सरकारी धन से हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि जब योजना में अधिकांश पैसा करदाताओं का लगाया जा रहा है, तो निजी बीमा कंपनियों को भारी लाभ कमाने की अनुमति क्यों दी जा रही है। उनका कहना था कि इस धन का उपयोग किसानों के हित और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में होना चाहिए। प्रो. सम्पत सिंह ने आरोप लगाया कि हरियाणा के हजारों किसानों ने दावा निपटान में देरी, वास्तविक दावों के अस्वीकार होने, कम मुआवजा मिलने और फसल नुकसान के अपारदर्शी आकलन जैसी शिकायतें की हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय किसान राहत के लिए भटकते हैं, जबकि बीमा कंपनियां लगातार मुनाफा कमा रही हैं।

उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का संचालन निजी कंपनियों के बजाय सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों, जैसे एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया और अन्य सरकारी बीमा संस्थानों के माध्यम से किया जाए। साथ ही सरकार जिला और कंपनीवार प्रीमियम, दावों के भुगतान, लंबित एवं अस्वीकृत दावों तथा कंपनियों के लाभ का पूरा विवरण सार्वजनिक करे। प्रो. सम्पत सिंह ने योजना का सीएजी से व्यापक ऑडिट कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना का पुनर्गठन इस प्रकार होना चाहिए कि इसका वास्तविक लाभ किसानों को बेहतर मुआवजा, सस्ते कृषि आदान और फसल बोनस के रूप में मिले, न कि निजी बीमा कंपनियों के बढ़ते मुनाफे के रूप में।

सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फर्जी ऑनलाइन ठगी से बचाव, 'अभेद्य ऐप' तथा दहेज मुक्त समाज का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइबर थाना फतेहाबाद द्वारा गांव नहला-भूना में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, 'अभेद्य ऐप' तथा दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर थाना की टीम ने उपस्थित लोगों को ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों जैसे फिशिंग, फेक कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप्स तथा साइबर धोखाधड़ी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अज्ञात कॉल या संदेशों पर भरोसा न करें तथा अपनी बैंकिंग, आधार, ओटीपी अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस अवसर पर सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर विशेष बल देते हुए कहा कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग पूरी सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रोफाइल को प्राइवेट रखने, अनजान व्यक्तियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा संबंधित पुलिस थाना को देने की अपील की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को 'अभेद्य ऐप' की उपयोगिता के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उन्हें जानकारी दी गई कि यह ऐप नागरिकों को साइबर सुरक्षा संबंधी सहायता उपलब्ध कराने तथा साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने का एक प्रभावी माध्यम है। साइबर जागरूकता के साथ-साथ उपस्थित लोगों को दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि दहेज लेना और देना दोनों ही कानूनन अपराध होने के साथ-साथ समाज के लिए घातक कुरीतियां हैं। सभी से दहेज मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक रहने, दूसरों को भी जागरूक करने तथा दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, लाइब्रेरी स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साइबर थाना फतेहाबाद ने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि समाज को साइबर अपराधों एवं सामाजिक बुराइयों से सुरक्षित बनाया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जिलेभर में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित, नशा मुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा-निर्देशों तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिलेभर में विशेष कानूनी जागरूकता शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त समाज के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण तथा आमजन को निःशुल्क कानूनी सहायता संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

अभियान के तहत नागरिक अस्पताल फतेहाबाद, रतिया एवं टोहाना स्थित नशा मुक्ति केंद्रों में विशेष कानूनी जागरूकता शिविर लगाए गए। इन शिविरों का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता कपिल कुमार, हरमंजीत सिंह तथा मोहनलाल गोस्वामी ने किया।

शिविरों में मनोचिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से नशा पीड़ितों एवं उनके परिजनों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक एवं नशा मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी देते हुए बताया गया कि पात्र व्यक्ति इस नंबर पर संपर्क कर निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसी क्रम में केंद्रीय जेल-2, हिसार में भी नशा मुक्ति अभियान के तहत विशेष कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सहायक एलएडीसी नेहा रानी ने उपस्थित सजायाफ्ता एवं विचाराधीन बंदियों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त रतिया खंड के गांव मुंशीवाली तथा टोहाना खंड के गांव रत्ताथेह में भी विशेष कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में ग्रामीणों से नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने, नशे के दुष्प्रचार पर रोक लगाने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आमजन से अपील की कि वे नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपना सहयोग दें तथा जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।

संत कर्मा बाई बालिका छात्रावास में आधुनिक लाइब्रेरी का लोकार्पण, शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया बोले– हाईटेक सुविधाओं से तैयार हुआ शिक्षा का मजबूत आधार स्तंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीडूंगरगढ़।

सोहनलाल परिहार । संत कर्मा बाई बालिका छात्रावास, श्रीडूंगरगढ़ में शनिवार को चौधरी कानाराम चोटिया एवं गंगा देवी चोटिया की स्मृति में निर्मित आधुनिक सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण दानदाता परिवार की ओर से एडवोकेट श्याम सुंदर आर्य, लुणाराम चोटिया, सहीराम आर्य, ईश्वरराम, राजेंद्र कुमार एवं एडवोकेट बजरंगलाल चोटिया ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया ने कहा कि दानदाताओं और छात्रावास प्रबंधन समिति के सहयोग से हाइटेक सुविधाओं से युक्त शिक्षा का मजबूत आधार स्तंभ तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि समिति की पारदर्शी कार्यप्रणाली और प्रभावी प्रबंधन के कारण समाज के दानदाता खुलकर सहयोग कर रहे हैं तथा अल्प समय में ऐतिहासिक भवन का निर्माण प्रेरणादायक है। छात्रावास विकास समिति के अध्यक्ष एडवोकेट श्याम सुंदर आर्य ने सभी अतिथियों एवं दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से छात्रावास के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बीकानेर छात्रावास ट्रस्ट के अध्यक्ष चेतराम थालोड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाराम चौधरी, पी.आर. गांधी, डॉ. विवेक माचरा एवं दीप्ति चौधरी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आधुनिक संसाधनों का विकास समय की आवश्यकता है। उन्होंने संस्था के विकास में योगदान देने वाले दानदाताओं की सराहना की। संस्था के मंत्री सुशील सेरड़िया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए छात्रावास परिसर में अब तक हुए विकास कार्यों तथा प्रस्तावित योजनाओं का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, महिला शक्ति एवं युवा शक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में छात्रावास अधीक्षक श्रवण कुमार भाम्भू तथा दानदाता परिवार के सदस्यों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

सतर्क नागरिक ही साइबर अपराधियों के खिलाफ सबसे बड़ी ढाल- आईपीएस निकिता खट्टर

फर्जी लोन ऐप्स से रहें सावधान, साइबर ठगों के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस का व्यापक जागरूकता अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत नागरिकों को विशेष रूप से फर्जी लोन ऐप्स से सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है, जो लोगों को आसान ऋण का झांसा देकर आर्थिक एवं मानसिक शोषण का शिकार बनाते हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि 'सतर्क नागरिक ही साइबर अपराधियों के खिलाफ सबसे बड़ी ढाल हैं।' उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में जहां ऑनलाइन सेवाओं ने जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर अपराधियों ने भी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आज मोबाइल हमारी जेब में बैंक बन चुका है, लेकिन यदि इसका उपयोग बिना सतर्कता के किया जाए तो जीवनभर की कमाई भी कुछ ही मिनटों में खतरे में पड़ सकती है।'

फर्जी लोन ऐप्स से ऐसे बनाते हैं शिकार

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर ठग 'मिनटों में लोन', 'बिना दस्तावेज़', 'तुरंत पैसा' जैसे आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति ऐसा ऐप डाउनलोड करता है, वह उसकी गैलरी, संपर्क सूची, माइक्रोफोन, आधार, पैन और अन्य निजी जानकारियों तक पहुंच बना लेता है। शुरुआत में छोटे ऋण देकर विश्वास जीता जाता है और बाद में अत्यधिक ब्याज, धमकी, ब्लैकमेलिंग तथा मानसिक उत्पीड़न के माध्यम से लोगों से अवैध वसूली की जाती है।

जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है फतेहाबाद पुलिस

निकिता खट्टर ने बताया कि फतेहाबाद पुलिस ने साइबर अपराधियों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस नीति' अपनाई है। जिला साइबर थाना एवं सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि साइबर धोखाधड़ी की प्रत्येक शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद पुलिस प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे तत्पर है और कोई भी पीड़ित स्वयं को अकेला न समझे। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि 'जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। यदि प्रत्येक नागरिक सतर्क रहेगा तो साइबर अपराधियों के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। फतेहाबाद पुलिस साइबर अपराधों की रोकथाम, जन-जागरूकता और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।'

नेहरू-गांधी परिवार से था खेतड़ी राजवंश का गहरा जुड़ाव, आपातकाल के दौर में भी चर्चा में रहा था खेतड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

देश में 25 जून 1975 को लगाए गए राष्ट्रीय आपातकाल का अध्याय भारतीय राजनीति के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। इस दौर में जहां देशभर में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां केंद्र सरकार के इर्द-गिर्द केंद्रित रहीं, वहीं राजस्थान के ऐतिहासिक नगर खेतड़ी का नाम भी राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में चर्चा का विषय रहा। इसके पीछे प्रमुख कारण तत्कालीन खेतड़ी राजघराने और नेहरू-गांधी परिवार के बीच दशकों पुराना आत्मीय संबंध माना जाता है। जानकारों के अनुसार, खेतड़ी राजवंश और नेहरू-गांधी परिवार के बीच लंबे समय से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। खेतड़ी के अंतिम शासक राय बहादुर सरदार सिंह और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच भी विशेष आत्मीयता और विश्वास का संबंध बताया जाता है। आपातकाल के दौरान वर्ष 1975 से 1977 तक केंद्र सरकार के विभिन्न प्रशासनिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में उन्होंने सहयोग किया था। उस समय केंद्र की कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में भी उनकी भूमिका रही थी। स्थानीय इतिहासकारों के अनुसार, गांधी परिवार और खेतड़ी राजवंश के बीच समय-समय पर विभिन्न विषयों को लेकर विचार-विमर्श और सलाह-मशविरा भी होता था। यही कारण रहा कि आपातकाल के दौर में भी खेतड़ी का नाम राष्ट्रीय राजनीति में सम्मान और चर्चा के साथ लिया जाता था। खेतड़ी और नेहरू परिवार का संबंध केवल इंदिरा गांधी के समय तक सीमित नहीं था, बल्कि इसकी जड़ें स्वतंत्रता आंदोलन से भी पहले तक जाती हैं। इतिहास के अनुसार, नेहरू खानदान के प्रतिष्ठित सदस्य पंडित नंदलाल नेहरू खेतड़ी नरेश राजा फतेह सिंह बहादुर के दीवान रहे थे। पंडित नंदलाल नेहरू, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू के बड़े भाई थे। इस ऐतिहासिक संबंध ने खेतड़ी और नेहरू परिवार को एक विशेष सूत्र में बांधे रखा।

पत्रकार हर्ष स्वामी

खेतड़ी में आज भी इस ऐतिहासिक रिश्ते की स्मृतियां मौजूद हैं। नगर में पंडित मोतीलाल नेहरू की आदमकद प्रतिमा स्थापित है, जो दोनों परिवारों के पुराने संबंधों की याद दिलाती है। बताया जाता है कि पंडित मोतीलाल नेहरू की प्रारंभिक शिक्षा भी खेतड़ी में ही हुई थी, जिससे इस क्षेत्र का नेहरू परिवार से जुड़ाव और अधिक गहरा हो जाता है। इतिहासकारों का मानना है कि खेतड़ी राजवंश ने हमेशा सामाजिक सरोकारों, शिक्षा और जनकल्याण को प्राथमिकता दी। यही परंपरा आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दी, जब आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और खेतड़ी के अंतिम राजा राय बहादुर सरदार सिंह के बीच सहयोग और समन्वय की चर्चा होती रही। आज, आपातकाल की वर्षगांठ पर जब देश उस दौर को याद कर रहा है, तब खेतड़ी का यह ऐतिहासिक अध्याय भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। नेहरू-गांधी परिवार और खेतड़ी राजवंश के दशकों पुराने संबंध क्षेत्र के इतिहास की एक महत्वपूर्ण धरोहर माने जाते हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर : ऊंट पालक को हाथोंहाथ स्वीकृत हुई 40 हजार रुपये की बीमा सहायता

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत ग्राम पंचायत सूरतसिंहपुरा में शनिवार को आयोजित शिविर में पशुपालकों को मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र पशुपालकों को बीमा पॉलिसियों का वितरण भी किया गया। विभाग के डॉ. सुरेन्द्र सिंह एवं सह प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि सूरतसिंहपुरा निवासी ऊंट पालक चुन्नी देवी पत्नी उदाराम, वार्ड संख्या 13 के ऊंट की मृत्यु होने पर मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत दावा प्रक्रिया पूर्ण करवाई गई। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश तथा महावीर सिंह की मौजूदगी में आवश्यक दस्तावेज तैयार कर क्लेम स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की गई। विभागीय अधिकारियों के अनुसार लाभार्थी के खाते में योजना के तहत 40,000 रुपये की बीमा सहायता राशि शीघ्र ही हस्तांतरित कराई जाएगी। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए पशुपालन विभाग की पहल की प्रशंसा की।

स्वच्छता जागरूकता अभियान के प्रभारी बने उम्मेद सिंह निर्वाण

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत खेतड़ी नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उम्मेद सिंह निर्वाण को स्वच्छता जागरूकता अभियान का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति स्वच्छ भारत मिशन (शहरी एवं ग्रामीण) के ब्रांड एंबेसडर एवं समन्वयक के.के. गुप्ता द्वारा की गई।नियुक्ति पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अवसर पर के.के. गुप्ता ने विश्वास जताते हुए कहा कि उम्मेद सिंह निर्वाण के नेतृत्व में खेतड़ी नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन को नई गति मिलेगी तथा स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ेगी। उम्मेद सिंह निर्वाण को यह जिम्मेदारी मिलने पर खेतड़ी क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक एवं गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सुंदरकांड पाठ के साथ न्याय की मांग दोहराई

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति का धरना शुक्रवार को 15वें दिन भी सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के मुख्य द्वार पर जारी रहा। धरने का नेतृत्व वी.पी. सिंह, शंकर शर्मा और टीना जोशी ने किया। धरना स्थल पर पंडित विष्णु शर्मा ने विधि-विधान एवं संगीतमय सुंदरकांड का सामूहिक पाठ कराया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। पाठ के समापन पर उपस्थित लोगों को प्रसाद भी वितरित किया गया। समिति के प्रदेश संयोजक पवन मीणा, भूदेव धाकड़ और गुड्डी सैनी ने कहा कि हटाए गए सभी नर्सेज को सरकार के वादे के अनुसार पुनः नियुक्त किए जाने तथा दिवंगत दीपक के परिवार को न्याय मिलने तक आंदोलन और धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि समिति अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत, दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बढ़ते रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मूंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंड: लोर्कान टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंपहरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

-3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

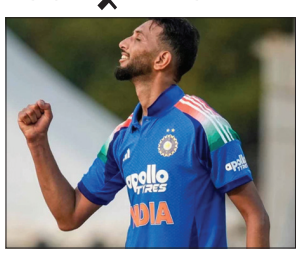

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं।

बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

-हार से सबक लेकर वापसी को तैयार टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

-ग्रुप में शीर्ष स्थान के साथ बढ़ाया जीत का सिलसिला

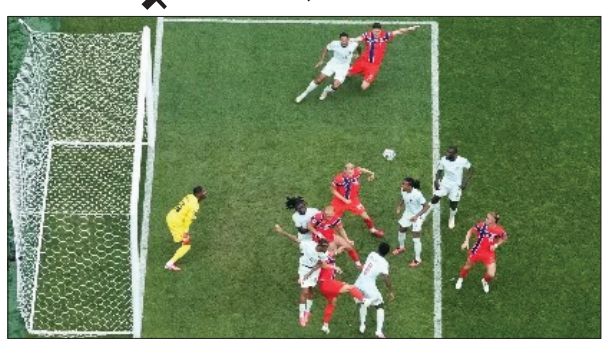

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैलो आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेसिरे डोउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया।

स्पेन की जीत से उरुग्वे का टूटा विश्व कप सपना, ग्रुप चरण से ही बाहर हुई दो बार की चैंपियन टीम

नई दिल्ली । विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मैक्सिको के गुआडालाजारा में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने अवसर का पूरा फायदा उठाया, जबकि दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के साथ दक्षिण अमेरिकी टीम का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। ग्रुप एच में स्पेन ने सात अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अब अगले दौर में उसका मुकाबला ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया, से होगा। दूसरी ओर उरुग्वे पूरे ग्रुप चरण में जीत का स्वाद नहीं चख सका और केवल दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अंक तालिका में पिछड़ने के कारण वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में भी जगह नहीं बना पाया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे इस विश्व कप से बाहर होने वाली अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई। मुकाबले का एकमात्र गोल स्पेन के एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उन्होंने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शॉट लगाया, जिसे अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा रोकने में असफल रहे। यह ऐसा मौका था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में बचाया जा सकता था। टूर्नामेंट के दौरान मुसलेरा की यह लगातार तीसरी बड़ी गलती रही। उनके निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने हाफ टाइम के बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। ग्रुप एच से स्पेन के अलावा केप वर्दे ने भी अंतिम-16 में जगह बनाई। केप वर्दे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित मुकाबला खेलते हुए लगातार तीसरा ड्रॉ दर्ज किया और तीन अंकों के साथ अगले दौर में पहुंच गया।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज : कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

भारत / पाकिस्तान: भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल, FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया आखिरी गोल, भारत ने 7-1 से दर्ज की धमाकेदार जीत

मैच के अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा। 53वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत का सातवां गोल दागा। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 7-1 की बड़ी जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

पाकिस्तान पर भारत का लगातार दबदबा कायम

भारतीय हॉकी टीम पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी रही है। साल 2016 के बाद से भारत सीनियर और जूनियर स्तर पर पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारा है। हाल ही में जापान में खेले गए अंडर-18 एशिया कप में भी भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा था। अब एफआईएच प्रो लीग में भी टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड : टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन-तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पारी के आठवें ओवर में डीप मिडविकेट की दिशा में शानदार पुल शॉट लगाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस पारी के साथ अभिषेक आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस सूची में शीर्ष स्थान स्टीफन मायबर्ग के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने 2023 में 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब अभिषेक शर्मा 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि शानदार शुरुआत के बावजूद अभिषेक अपनी पारी को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्धशतक पूरा करने के तीन गेंद बाद ही वह 20 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी में सात चौके और दो लंबे छक्के शामिल रहे। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियाम मैक्कार्थी ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराकर अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज अभिषेक का साथ नहीं दे सके और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। परिणामस्वरूप 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। हालांकि टीम को हार मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी भारतीय क्रिकेट के लिए इस मुकाबले की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि बनकर उभरी।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन । विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर अश्विन की दोटूक राय, बोले- हाइप नहीं, प्रदर्शन के दम पर मिले टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किए जाने पर लगातार बहस जारी है। क्रिकेट प्रशंसकों और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले पर अलग-अलग राय दी है। इसी बीच भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पूरे मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने परिस्थितियों के अनुसार सही फैसला लिया है और किसी खिलाड़ी को केवल लोकप्रियता या चर्चा के आधार पर टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। अपने यूट्यूब कार्यक्रम में अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम किसी एक खिलाड़ी को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, बल्कि टीम के संतुलन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि टीम में सुपरस्टार संस्कृति के बजाय टीम फर्स्ट का सिद्धांत अपनाया जाएगा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा समय में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने हाल के समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में केवल वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए किसी खिलाड़ी को बाहर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्थान हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर मिलना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर बने माहौल या किसी खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बनी चर्चा के कारण। पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में रहना, वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ समय बिताना और टीम के माहौल को समझना भी सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उनके अनुसार बाहर बैठकर मैच देखना, टीम की सहायता करना और अनुभव हासिल करना किसी भी युवा क्रिकेटर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अश्विन ने माना कि वैभव सूर्यवंशी में असाधारण प्रतिभा है और भविष्य में वह भारतीय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टीम में ओपनिंग स्लॉट खाली नहीं है। उनके अनुसार वैभव को मौका तभी मिलेगा जब किसी मौजूदा सलामी बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार खराब हो या कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण केवल इसलिए नहीं कराया जा सकता कि लोग

उसे खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने अंत में विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यदि वह लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से दावेदारी मजबूत करते रहेंगे तो भारतीय टीम में उनकी जगह स्वतः बन जाएगी। फिलहाल उनके लिए धैर्य बनाए रखना और सीखते हुए सही अवसर का इंतजार करना ही सबसे बेहतर रास्ता है।

श्रीलंका में जाइडस लगाएगी 2 करोड़ डॉलर का दवा संयंत्र

जाइडस ने सनशाइन के साथ मिलाया हाथ, आयात पर घटेगी निर्भरता

नई दिल्ली ।

भारतीय दवा कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज ने श्रीलंका की सनशाइन हेल्थकेयर के साथ मिलकर 2 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश से एक दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य श्रीलंका की दवा आयात पर निर्भरता को कम करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है। दोनों कंपनियों ने जाइडस सनशाइन लाइफसाइंसेज नामक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो होराना के निवेश बोर्ड (बीओआई) क्षेत्र में लगभग चार एकड़ भूमि पर इस अत्याधुनिक इकाई को स्थापित करेगा। यह संयंत्र स्थानीय खुदरा बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का उत्पादन कर उनकी उपलब्धता बढ़ाएगा और देश की स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह पहल श्रीलंका की हालिया आर्थिक चुनौतियों के बाद स्थानीय विनिर्माण पर जोर देने की नीति के अनुरूप है, जिसने आयात पर निर्भर क्षेत्रों की कमजोरियों को उजागर किया था। इस संयुक्त उद्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और देश की दवा विनिर्माण क्षमताओं के विकास में भी सहायता मिलेगी। इसे जाइडस की विनिर्माण विशेषज्ञता और सनशाइन के मजबूत घरेलू वितरण नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

सरकारी गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान, लक्ष्य से आगे निकला देश

केंद्र ने निर्धारित 355.4 लाख टन का लक्ष्य पार किया

नई दिल्ली ।

इस वर्ष देश में सरकारी गेहूं खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केंद्र सरकार ने निर्धारित 355.4 लाख टन के लक्ष्य को पार करते हुए 21 जून तक कुल 357.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि की 299.5 लाख टन खरीद से लगभग 19 फीसदी अधिक है, जो किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक है। यह अभूतपूर्व सफलता मुख्य रूप से गेहूं उत्पादन में वृद्धि और सरकार की व्यापक खरीद व्यवस्था के कारण संभव हुई है। प्रारंभिक 303 लाख टन के खरीद लक्ष्य को, बेहतर उत्पादन और राज्यों की मांग पर, चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 355.4 लाख टन तक किया गया था। इस खरीद अभियान में कई राज्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंजाब (121.6 लाख टन) और मध्य प्रदेश (104.4 लाख टन) का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा। राजस्थान में रिकॉर्ड 27.1 लाख टन गेहूं खरीदा गया, जबकि उत्तर प्रदेश में 21.6 लाख टन और बिहार में 40,364 टन की खरीद हुई, जो दोनों ही राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

वाणिज्यिक वाहन उद्योग की रफ्तार बरकरार

ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रहा मजबूत सहारा

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने मई महीने में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी, जहाँ थोक बिक्री में साल-दर-साल 13.5 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। जीएसटी दरों में कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों से बढ़ती मांग ने इस बढ़त में अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, मासिक आधार पर बिक्री में हल्की कमी भी देखी गई, जो मजबूत सुधार के बाद मांग के सामान्यीकरण का संकेत देती है। आईसीए के अनुसार, वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 5.3 फीसदी बढ़ी। खास बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक तेज़ रही, जो छोटे शहरों और गांवों में बेहतर माल ढुलाई का संकेत है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों ने सर्वाधिक 7.7 फीसदी की खुदरा वृद्धि दर्ज की, जिसे जीएसटी राहत और अंतिम-मील वितरण की बढ़ती मांग से बल मिला। वित्त वर्ष 2027 के पहले दो महीनों में थोक बिक्री कुल 15 फीसदी बढ़ी है, जो उद्योग की सकारात्मक गति को दर्शाता है।

कोयले से गैस बनाने 37,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू कोयले से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू कर दी है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ, इसका लक्ष्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को गति देना है।

योजना में प्रतिस्पर्धी बोली व्यवस्था होगी, जिसमें कम वित्तीय प्रोत्साहन मांगने वालों को उच्च मूल्यांकन अंक मिलेंगे। पात्र संयंत्रों और मशीनरी की लागत का 20 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है। लाभ के केंद्रीकरण को रोकने के लिए, मंत्रालय ने सुरक्षा उपाय भी किए हैं; किसी भी परियोजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए, किसी कॉर्पोरेट समूह के लिए 12,000 करोड़ रुपए और अधिकांश डाउनस्ट्रीम उत्पादों (यूरिया/एसएनजी को छोड़कर) के लिए 9,000 करोड़ रुपए की अधिकतम सहायता सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य घरेलू कोयले से सिनगैस, मेथनॉल, अमोनिया और एसएनजी जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है। यह योजना लगभग 7.5 करोड़ टन कोयले से गैस बनाने की क्षमता वाली परियोजनाओं को समर्थन देगी, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद मिलेगी।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्र तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम निवेशकों में लौटी खुशी

धीमी मॉनसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

मुंबई ।

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मॉनसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं। सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली

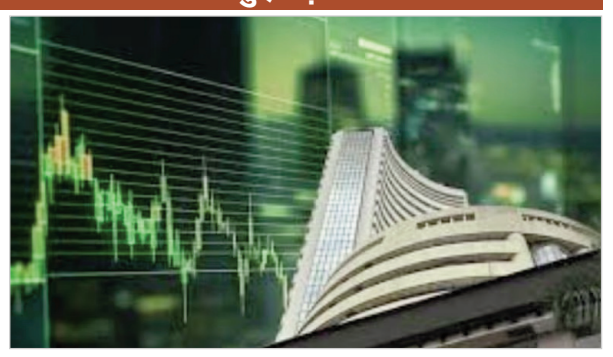

वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला। गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मॉनसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

सितंबर से संभालेंगे कमान, देश में एआई के विस्तार और रणनीतिक साझेदारियों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे।

सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया।

आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है।

फॉक्सकॉन का भारतीय इकाई में बड़ा निवेश, 99.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

72 करोड़ डॉलर में हुई शेयर खरीद, कंपनी भारत में उत्पादन व रणनीतिक विस्तार पर केंद्रित

नई दिल्ली।

ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉनने अपनी भारतीय सहायक कंपनी, फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नॉलजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 99.9 फीसदी कर दी है। समूह की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने 3.72 करोड़ डॉलर में लगभग 35.173 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जिससे भारतीय इकाई में उसकी कुल हिस्सेदारी 2.82 अरब डॉलर मूल्य के 23.18 अरब शेयर हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम ऐसे समय आया है जब फॉक्सकॉन अपनी 3+3+3 रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक जैसे उभरते उद्योगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। आईफोन बनाने वाली यह सबसे बड़ी कंपनी भारत में अपने उत्पादन को लगातार बढ़ा रही है। चेन्नई के श्रीपेरुंबुदूर में इसका सबसे बड़ा विनिर्माण आधार है, जहां ऐपल आईफोन की असेंबलिंग की जाती है। इस निवेश से तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर और निवेश की उम्मीद है।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

घरेलू बाजार में दाम स्थिर, पिछले महीने हुई थी भारी बढ़ोतरी

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इस वैश्विक बदलाव से भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की उम्मीद जगी है। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने 27 जून को जारी अपने नवीनतम दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों ने घरेलू उपभोक्ताओं में राहत की आस जगाई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों के कारण यह स्थिरता कब तक बनी रहेगी, इस पर सबकी निगाहें हैं। आज 27 जून 2026 को जारी नए रेट्स के अनुसार, तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आम जनता पर ईंधन के बढ़ते दामों का भारी बोझ पड़ा था। 25 मई को हुई आखिरी बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल करीब 7.50 रुपये और डीजल लगभग 7.60 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था, जो चार साल बाद दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसी कड़ी में, सीएनजी और एलपीजी के दामों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर मार्च से जून 2026 के बीच दो बार बढ़कर 942 रुपये का हो चुका है। अब देखना होगा कि वैश्विक नरमी का लाभ आम जनता को कब मिलता है।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

निराधार दावों और पुरानी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है। मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनॉल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है।

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

ईंधन महंगा होने पर लगा दी थी रोक

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि तनाव के फिर से बढ़ने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, एयर इंडिया इस साल अपने बेड़े में आठ नए या पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल करेगी, जिसमें जल्द ही आने वाला एक नया बोइंग 787-9 भी शामिल है।

विल्सन ने उम्मीद जताई कि ये विमान सेवाओं में सुधार करेंगे और नए रूट शुरू करने में सहायक होंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और एयरलाइन की परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया। वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया। मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी

जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस ' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने दी जानकारी मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। 'भारत रिश्ते मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध' राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बांग्लादेश बोला- रहमान के सलाहकार से बर्ताव पर दिल्ली की सफाई असंतोषजनक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने नई दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने पीएम तारिक रहमान के सलाहकार के साथ हुए घटनाक्रम के बारे में भारत के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक करार दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, इस घटना पर भारतीय पक्ष की सफाई संतोषजनक नहीं थी। वह बोले, पीएम के सूचना-रणनीति सलाहकार जाहिद उर रहमान के साथ हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक थी। रहमान का नाम सुरक्षा से जुड़ी एक ब्लैकलिस्ट में होने के कारण उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने कुछ देर के लिए रोका गया था। बाद में उनकी यात्रा की पुष्टि के बाद उन्हें अनुमति मिली लेकिन उन्होंने अपनी मर्जी से ढाका लौटने का फैसला किया।

अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के रहने वाले ; टोटल केस 9 हुए, अब तक 3 की मौत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। हंतावायरस के संपर्क में आए 3 और लोगों में संक्रमण मिला है। इनमें एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी यात्री शामिल हैं, जो पहले अपने-अपने देश लौट चुके थे। वहीं, मैड्रिड में क्वारैंटाइन एक स्पेनिश नागरिक की शुरुआती रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक 3 यात्रियों की मौत हो चुकी है। 11 अप्रैल को एक बुजुर्ग डच यात्री की जहाज पर मौत हुई थी। उनकी पत्नी बाद में दक्षिण अफ्रीका में मृत मिलीं। 2 मई को एक जर्मन महिला की जहाज पर मौत हो गई। ये सभी यात्री 'एमवी होंडियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक जहाज से जुड़े हंतावायरस के 9 केस कन्फर्म हो चुके हैं। डब्ल्यूएचओ ने जहाज से लौटने वाले सभी लोगों के लिए 42 दिन आइसोलेशन की सिफारिश की है। हालांकि अमेरिकी सीडीसी ने कहा कि वायरस का इंसान से इंसान में फैलना दुर्लभ है और इसे कोविड जैसी महामारी नहीं माना जाना चाहिए। इससे पहले सोमवार को हंतावायरस के संपर्क में आए 17 अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारिंटीन में रखा जाएगा। हंतावायरस के लक्षण दिखने में 8 हफ्ते तक लग सकते हैं हंतावायरस से इंसानों की किडनी फेल होने का खतरा होता है। कई मामलों में मरीज को तेज बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में दिक्कत और कमजोरी होने लगती है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी काराकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है। अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई

दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला। मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन : राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थीं। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है। इसके बंद होने से विदेशों से आने वाली राहत सामग्री और टीमों को लैंड कराने में भारी लॉजिस्टिक दिक्कतें आ रही हैं। वहीं मेट्रो और गैस आपूर्ति जैसी सेवाएं भी रोक दी गईं। इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा। इस बीच वेनेजुएला की मदद के लिए कई देश आगे आए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया है कि अमेरिका बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कई अन्य देशों ने भी वेनेजुएला को सहायता देने की पेशकश की है। रॉड्रिगेज ने बताया कि कतर से बचाव दल पहले ही रवाना हो चुके हैं, जबकि मैक्सिको और अल साल्वाडोर से भी टीमें पहुंचने वाली हैं। वहीं उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी शुक्रिया अदा किया है। वेनेजुएला में इस तबाही का कारण ट्विन अर्थक्वेक है। यहां राजधानी काराकास से कुछ ही दूरी पर महज कुछ सेकेंड के अंदर भूकंप के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, गुरुवार को आए पहले भूकंप की तीव्रता 7.2 रही और इसका केंद्र देश के कैरेबियाई तट पर स्थित मोरोन के पश्चिम में जमीन के भीतर 22 किलोमीटर की गहराई में था। यह जगह काराकस से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। वहीं ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महीनों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है।

भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉमन डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं। जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्फर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला। वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग को काफी कीमती माना जाता था क्योंकि इसके पास जुरोंग आइलैंड जैसी जगहों पर काम करने के लिए खास वर्क परमिट थे।

लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार, 17 दिन से पीओके में प्रदर्शन जारी

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के खिलाफ जन विद्रोह अपने चरम पर पहुंच गया है। अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में जारी व्यापक प्रदर्शन लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। जनता का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए शहबाज सरकार के निर्देश पर प्रशासन अब लोगों को भूखा रखने व नौकरियां छीनने के अमानवीय हथकंडे अपना रहा है। इसके तहत पाकिस्तान से पीओके को जोड़ने वाले प्रवेश मार्गों पर खाद्य सामग्री और जरूरी सामानों से लदे ट्रकों को रोक रहा है। आवश्यक वस्तुओं की जानबूझकर पैदा की गई इस किल्लत से स्थानीय समुदाय पर दबाव बढ़ गया है। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आरोप में अब तक 128 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया है। आंदोलन के नेताओं का आरोप है कि सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शन में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्हें पेंशन रोकने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लेकर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। इधर प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई केवल गैर-कानूनी कृत्यों में शामिल लोगों पर की जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर गोलीबारी, ईरान ने मालवाहक जहाज पर पर किया भीषण हमला

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से फायरिंग हुई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज 'एवर लवली' को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला शांति के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि आईआरजीसी ने मालवाहक जहाज पर हमला किया है। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब समझौते के बाद कुछ समय पहले ही ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से निकलने वाले जहाजों के ऊपर कार्रवाई की जा सकती है।

इस हमले की ज्यादा जानकारी देते हुए ब्रिटेन की नेवी ने बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की जानकारी मिली है। इस महले में जहाज का कंट्रोल रूम तबाह हो गया है। हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की जानकारी नहीं मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति समझौता हो गया हो, लेकिन भरोसे की कमी अभी भी साफ तौर पर नजर आ रही है। ईरान की तरफ से इस जहाज पर किए जाने के बाद अब अमेरिका की तरफ से कैसा रिएक्शन आता है, यह देखना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि शांति समझौते के बाद होर्मुज से लगातार तेल सप्लाई हो रहा है और जहाजों के लिए खतरा भी खत्म हो गया है। लेकिन इस एक हमले ने ट्रंप के शांति समझौते और उनके शांति वाले दावे की पोल खोल दी है।

ईरान अपने दशकों पुराने अमेरिकी हमले के डर का सामना कर चुका है। इस हमले में उसे भले ही बहुत कुछ गवाना पड़ा हो, लेकिन साथ में एक चीज हासिल भी हुई है। और वह है होर्मुज के ऊपर पूरा कंट्रोल। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे कुछ भी कहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि ईरान युद्ध के पहले होर्मुज पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब वह इसे अपने हाथ में रखकर दुनिया से अपनी बात मनवाने की ताकत रखता है। यह हमला इसी बात का उदाहरण है। शांति समझौते के बाद बाद ट्रंप होर्मुज के खुलने का ऐलान कर रहे थे, वहीं तेहरान की तरफ से चेतावनी जारी की गई थी कि होर्मुज से वही जहाज सुरक्षित निकल सकते हैं, जो तेहरान के बताए अनुसार चलेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन पर हमला किया जा सकता है। अब सिंगापुर के जहाज पर हमला करके ईरान ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उनका प्रशासन ईरान की मुक्त की गई संपत्तियों का उपयोग अमेरिकी कृषि उत्पादों को खरीदने के लिए करेगा। लेकिन ईरान के संसदीय अध्यक्ष और ईरानी वार्ता दल के एक प्रमुख व्यक्ति मोहम्मद बगेर गालिबफ ने इस दावे को खारिज कर दिया है। गालिबफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा 'अमेरिका झूठा दावा करता है कि हमारी मुक्त संपत्ति से हम उनकी कृषि उपज खरीद लेंगे। दिलचस्प बात है। हम जो फसल काट रहे हैं।

कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

कराची , एजेंसी। कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। कराची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव कराची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं।

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है। यह टीम कराची के ईस्ट जोन के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल की अध्यक्षता में अपनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारी बहुत तेजी से सारे सबूत जुटाने और असली अपराधियों को जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और इलाके से कुल 12 संदिग्धों के डीएनए सैंपल जांच के लिए इकट्ठा किए हैं। इन 12 संदिग्ध लोगों में से कई इस मासूम बच्ची के अपने सगे और करीबी रिश्तेदार ही बताए जा रहे हैं। स्पेशल ब्रांच और लोकल मुखबिरों की गुप्त रिपोर्ट के आधार पर पुलिस बहुत गंभीरता से अपनी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का खास फोकस केवल 3 संदिग्धों पर है जो इस बच्ची के अपने करीबी रिश्तेदार हैं।

आईजीपी ओधो ने बिल्कुल स्पष्ट कहा है कि इस भयानक अपराध में शामिल लोग किसी माफी के हकदार नहीं हैं। उन्होंने पक्का आश्वासन दिया है कि पकड़े जाने पर इन सभी दरिंदों के खिलाफ बेहद कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह दर्दनाक घटना दिखाती है कि आज छोटे बच्चों के लिए उनके अपने घर के आस-पास भी कितना ज्यादा खतरा है। स्थानीय लोग इस घटना के बाद बहुत डरे हुए हैं और सभी आरोपियों को जल्द फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

पाकिस्तान ने 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए : इस सप्ताह की शुरुआत में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान और कतर की मौजूदगी में दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (×द्वश्रह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। बातचीत से जुड़े एक अमेरिकी राजनयिक के हवाले से बताया गया है कि वार्ता रविवार सुबह शुरू हुई और पूरे दिन कई प्रारूपों में चलती रही। चर्चा का एक मुख्य बिंदु लेबनान की स्थिति रही, जहां देश के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमलों के बीच तनाव कम करने के तंत्र और सीजफायर पर बातचीत केंद्रित थी।

अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर, बोले- 'तेहरान के साथ बातचीत जारी'

वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की। व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।

इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब

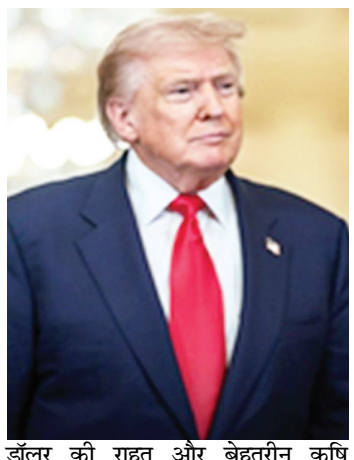

डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।

ट्रंप ने कहा कि कृषि सचिव बुक रोलिंस सहायता के वितरण की देखरेख करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने किसानों को राहत के तौर पर 11 अरब डॉलर का भुगतान करने जा रहे हैं।' इस दौरान, राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार किया है। उन्होंने यूरोप में डेयरी निर्यात के लिए बेहतर पहुंच, 25 से अधिक सालों के बाद अमेरिकी बीफ आयात के लिए ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी और अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने के चीन के वादे का जिक्र किया। उन्होंने किसानों के हित में उठाए गए घरेलू कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें एस्टेट टैक्स की सीमा बढ़ाना, खेती के उपकरणों पर असर डालने वाले इलेक्ट्रिक वाहन के फेडरल नियम को खत्म करना, सालभर ई15 फ्यूल की बिक्री की इजाजत देना और पर्यावरण नियम 'वॉटर्स ऑफ द यूएस' को वापस लेना शामिल है।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रशासन की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और कहा कि इससे बातचीत में वाशिंगटन की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, 'हमें यू-टर्न लेना पड़ा। हमें ईरान की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके पास परमाणु हथियार होगा।' व्हाइट हाउस के इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, आंतरिक मंत्री डग बर्गम, स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज, प्रमुख कृषि राज्यों के गवर्नर, सीनेटर और प्रतिनिधि शामिल थे।

डिनर में मेहमानों को कृषि उत्पादों से बने व्यंजन परोसे गए। उन्हें तोहफे के तौर पर ऑर्गेनिक गार्डन के बीज और टमाटर का जैम दिया गया। बता दें कि अमेरिका लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े गेहूं, मक्का और सोयाबीन निर्यातकों में शामिल रहा है। अमेरिकी कृषि निर्यात को अलग-अलग सरकारों ने व्यापार, आर्थिक और विदेश नीति के महत्वपूर्ण साधन के रूप में भी इस्तेमाल किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com